रजिस्टर्ड नं० ल०-33/एस० एम० 14/91.

# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

## (असाधारण)

**हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित**

**शिमला, शनिवार, 16 मार्च, 1991/25 फाल्गुन, 1912**

### हिमाचल प्रदेश सरकार

हिमाचल प्रदेश विधान सभा सचिवालय

अधिसूचना

शिमला-171 004, 15 मार्च, 1991

संख्या 1-13/91-वि०स०—हिमाचल प्रदेश विधान सभा के प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियम, 1973 के नियम 135 के अन्तर्गत "हिमाचल प्रदेश विश्व विद्यालय (संशोधन) विधयक, 1991 (1991 का विधेयक

636-राजपत्र/91-16-3-91—1,182.  मूल्य : 1 रुपया ।

संख्यांक 9) जो आज दिनांक 15 मार्च, 1991 को हिमाचल प्रदेश विधान सभा में पुरःस्थापित हो गया है, सर्वसाधारण की सूचनार्थ राजपत्र में प्रकाशित करने हेतु प्रेषित किया जाता है ।

लक्ष्मण सिंह,
सचिव ।

1991 का विधेयक संख्यांक 9.

# हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 1991

हिमाचल प्रदेश युनिवर्सिटी ऐक्ट, 1970 (1970 का 17) का और संशोधन करने के लिए **विधेयक** ।

भारत गणराज्य के बयालीसवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

संक्षिप्त नाम ।

1. इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम, 1991 है ।

धारा 10 का संशोधन ।

2. हिमाचल प्रदेश युनिवर्सिटी ऐक्ट, 1970 (जिसे इसमें इसके पश्चात् मूल अधिनियम कहा गया है) की धारा 10 में खण्ड (iv) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(iv-a) The Controller of Examinations."

धारा 12 का संशोधन ।

3. मूल अधिनियम की धारा 12 में शब्दों "five years" के स्थान पर जहां भी वे आए हैं "three years" शब्द रखे जाएंगे ।

धारा 15 का प्रतिस्थापन ।

4. मूल अधिनियम की धारा 15 के स्थान पर निम्नलिखित धारा रखी जाएगी, अर्थात्:—

"15. *Registrar.*—There shall be a Registrar who shall be the Secretary of the Court , the Executive Council and the Academic-Council and shall be appointed by the Chancellor by deputation from amongst the members of the Indian Administrative Service or Himachal Pradesh Administrative Service or Joint Directors (Colleges) and Principals of the Degree Colleges of the Himachal Pradesh Education Department and exercise such powers and perform such duties as may be prescribed by the statutes :

Provided that the existing incumbent of the office of the Registrar shall continue to hold office till he retires or is appointed by transfer as the Controller of Examinations in terms of Section 15-A by the Chancellor."

धारा 15-A का अन्तः-स्थापन ।

5. मूल अधिनियम की धारा 15 के पश्चात् निम्नलिखित धारा 15–A अन्तः स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

"15-A. Controller of Examinations.—There shall be a Controller of Examinations who shall have same status and pay as the Registrar and who shall be appointed by the Chancellor by transfer of the incumbent of the office of Registrar or in such other manner and shall exercise such powers and perform such functions, as may be prescribed by the statutes."

धारा 20 का संशोधन ।

6. मूल अधिनियम की धारा 20 के खण्ड (2) में आए शब्दों "annual report" के पश्चात् " and the annual accounts together with the audited report" अन्तःस्थापित किए जाएंगे ।

धारा 21 का संशोधन ।

7. मूल अधिनियम की धारा 21 में,—

(क) खण्ड (ii) और खण्ड ( v--a ) का लोप किया जाएगा ;

(ख) इस प्रकार लोप किए गए खण्डों के पश्चात् विद्यमान खण्डों (iii) , (iv) और (v) को क्रमशः खण्ड (ii), (iii) और खण्ड (iv) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा;

(ग) खण्ड (xiv) के अन्त में आए शब्द "and" का लोप किया जाएगा और खण्ड (xv) के अन्त में आए चिन्ह "." के स्थान पर "; and" चिन्ह और शब्द रखे जाएंगे; और

(घ) खण्ड (xv) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड (xvi) अन्तःस्थापित किया जाएगा :—

"(xvi) One representative of the readers of the University by rotation on the basis of integrated seniority of readers of all wings of the University viz; Post-graduate Centre, Directorate of Correspondence Courses and University Evening College incluing its principal."

धारा 39 का संशोधन ।

8. मूल अधिनियम की धारा 39 की उप-धारा (3) में "Same form and manner" शब्दों क पश्चात् आए शब्द "or" के स्थान पर "and if" शब्द रखे जाएंगे ।

## उद्देश्यों और कारणों का कथन

हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी ऐक्ट, 1970 की धारा 10 के विद्यमान उपबन्धों के अनुसार, परीक्षा नियंत्रक को विश्वविद्यालय के अधिकारियों में शामिल नहीं किया गया है। चूंकि वह, सभी स्तरों पर परीक्षाओं के संचालन के लिए उत्तरदायी है, अतः परीक्षा नियंत्रक को, विश्वविद्यालय के अधिकारियों में शामिल करना आवश्यक समझा गया है। इस समय उपकुलपति की पदावधि पांच वर्ष है। विश्वविद्यालय की कार्य पद्धति को सही दिशा प्रदान करने के लिए, उपकुलपति की पदावधि को 5 वर्ष से घटाकर 3 वर्ष करना भी आवश्यक समझा गया है। उपर्युक्त अधिनियम के विद्यमान उपबन्धों के अधीन, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार का कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद् और हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के न्यायालय का सदस्य बनाया जाना, एक अभूतपूर्व बात और माननीय न्यायमूर्ति पी0 गजेन्द्र गड़कर की अध्यक्षताधीन विश्वविद्यालय और महाविद्यालय अभिशासन समिति की सिफारिशों के विरुद्ध ही नहीं है अपितु इससे उपकुलपति और रजिस्ट्रार के बीच टकराव पैदा होता है, जिससे विश्वविद्यालय के अनुशासन पर विशेष प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसलिए भारतीय प्रशासनिक सेवा/हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवा के सदस्यों या शिक्षाविदों में से किसी व्यक्ति को प्रतिनियुक्ति द्वारा रजिस्ट्रार के पद पर नियुक्त करना आवश्यक समझा गया है, ताकि विश्वविद्यालय के प्रशासन का संचालन अनुशासनात्मक रूप में हो सके और अध्ययन का उचित वातावरण बनाया जा सके। अतः भारतीय प्रशासनिक सेवा/हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवा के सदस्य या किसी शिक्षाविद को प्रतिनियुक्त करके, रजिस्ट्रार को इन निकायों का केवल सचिव बनाने के लिए, विद्यमान अधिनियम में संशोधन करना आवश्यक हो गया है। इसी प्रकार परीक्षा के कार्य के महत्व को देखते हुए, रजिस्ट्रार के पद और वेतन के बराबर, परीक्षा नियंत्रक के पद का सृजन करना और उसे रजिस्ट्रार के पदधारी को स्थानान्तरित करके भरना प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के रीडरों को कार्यकारी परिषद में प्रतिनिधित्व देना भी आवश्यक समझा गया है, जिन्हें इससे पूर्व उसमें प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया था। इन कारणों से हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी ऐक्ट, 1970 में संशोधन करना आवश्यक हो गया है।

यह विधेयक उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए है।

राधा रमण शास्त्री,
प्रभारी मंत्री।

शिमला :
15 मार्च, 1991.

---

## वित्तीय ज्ञापन

शून्य

## प्रत्यायोजित विधान सम्बन्धी ज्ञापन

शून्य

*Authoritative English Text*

**Bill No. 9 of 1991.**

# THE HIMACHAL PRADESH UNIVERSITY (AMENDMENT) BILL, 1991

(AS INTRODUCED IN THE LEGISLATIVE ASSEMBLY)

A

BILL

*further to amend the Himachal Pradesh University Act,* 1970 (*Act No.* 17 *of* 1970).

BE it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in the Forty-second Year of the Republic of India as follows:—

Short title.

**1.** This Act may be called the Himachal Pradesh University (Amendment) Act, 1991.

Amendment of section 10.

**2.** In section 10 of the Himachal Pradesh University Act, 1970 (hereinafter referred to as the principal Act) after clause (*iv*), the following clause shall be inserted, namely:— 17 of 1970

"(*iv-a*) The Controller of Examinations;".

Amendment of section 12.

**3.** In section 12 of the principal Act, for the words "five years", wherever occur, the words "three years" shall be substituted.

Substitution of section 15.

**4.** For section 15 of the principal Act, the following shall be substituted, namely:—

"15. *Registrar.*—There shall be a Registrar who shall be the Secretary of the Court, the Executive Council and the Academic Council and shall be appointed by the Chancellor by deputation from amongst the members of the Indian Administrative Service or Himachal Administrative Service or Joint Directors (Colleges) and Principals of the Degree Colleges of the Himachal Pradesh Education Department and exercise such powers and perform such duties as may be prescribed by the statutes :

Provided that the existing incumbent of the office of Registrar shall continue to hold office till he retires or is appointed by transfer as the Controller of Examinations in terms of section 15-A by the Chancellor.".

Insertion of section 15-A.

**5.** After section 15 of the principal Act, the following section 15-A shall be inserted, namely:—

"15-*A. Controller of Examinations.*—There shall be a Controller of Examinations who shall have same status and pay as the Registrar

and who shall be appointed by the Chancellor by transfer of the incumbent of the office of the Registrar or in such other manner and shall exercise such powers and perform such functions, as may be prescribed by the statutes.".

Amendment of section 20.

6. In clause (2) of section 20 of the principal Act, after the words, "annual report", the words "and the annual accounts together with the audited report" shall be inserted.

Amendment of section 21.

7. In section 21 of the principal Act,—

(*a*) clauses (*ii*) and (*v-a*) shall be omitted ;

(*b*) after clauses as so omitted, the existing clauses (*iii*), (*iv*) and (*v*) shall be re-numbered as clauses (*ii*), (*iii*) and (*iv*) respectively ;

(*c*) the word "and" occurring at the end of clause (*xiv*) shall be omitted and for the sign "." occurring at the end of clauses (*xv*), the sign and word "; and" shall be substituted ; and

(*d*) after clause (*xv*), the following clause shall be inserted, namely :—

"(*xvi*) One representative of the readers of the University by rotation on the basis of integrated seniority of readers of all wings of the University *viz.* Post-graduate Centre, Directorate of Correspondence Courses and University Evening College including its principal.".

Amendment of section 39.

8. In section 39 of the principal Act, in sub-section (3), for the word "or", occurring after the words "same form and manner", the word "and if" shall be substituted.

## STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

As per existing provisions of section 10 of the Himachal Pradesh University Act, 1970, the Controller of Examinations, is not included amongst the officers of the University. Since he is responsible for the conduct of Examinations at all levels, it has, therefore, been considered necessary to include the Controller of Examinations amongst the officers of the University. At present the term of office of the Vice-Chancellor is 5 years. In order to infuse healthy life in the working of the University, it has also been considered necessary to reduce the term of office of the Vice-Chancellor from 5 years to 3 years. Under the existing provisions of the aforesaid Act, the Registrar of the Himachal Pradesh University who is a member of the Executive Council, Academic Council and Court of the Himachal Pradesh University, is not only unprecedented and against the recommendations of the Committee on Governance of University and Colleges, headed by Justice P.Gajendragadakar but also leads to a confrontation between the Vice-Chancellor and the Registrar which impinges heavily on the discipline of the University. Similarly, it has been considered necessary to appoint a Registrar by deputing a member of I.A.S./H.P.A.S. or from amongst Educationists so that the University could function in a disciplined way and with proper atmosphere of studies. Hence it has become necessary to amend the existing Act to make the Registrar only the Secretary of these bodies by deputing a member of I.A.S./H.A.S. or an Educationist. Similarly, keeping in view the importance of the work of Examination, it is proposed to create the office of Controller of Examinations with equal pay and status of the Registrar and to fill up the same by transfer from the incumbent of the office of the Registrar. Besides it, it is felt necessary to give representation to the Readers of the University in the Executive Council who were not provided any representation earlier in it. This has necessitated amendments in the Himachal Pradesh University Act, 1970.

This Bill seeks to achieve the aforesaid objectives.

RADHA RAMAN SHASTRI,
*Minister-in-Charge.*

SHIMLA:
The 15 March, 1991.

---

## FINANCIAL MEMORANDUM

Nil

---

## MEMORANDUM REGARDING DELEGATED LEGISLATION

Nil

नियन्त्रक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, हिमाचल प्रदेश, शिमला-5 द्वारा मुद्रित तथा प्रकाशित ।